बिहार सरकार
आपदा प्रबंधन विभाग
प्रेस नोट

दिनांक.22.08.2016

गंगा नदी के बढ़े हुए जल स्तर एवं तेज जल प्रवाह के कारण गंगा नदी के किनारे अवस्थित जिलो यथा बक्सर, भोजपुर, पटना, वैशाली, सारण, बेगूसराय, समस्तीपुर, लखीसराय, खगड़िया, मुंगेर, भागलपुर एवं कटिहार जिलो में कमोबेस बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गयी है। पटना, वैशाली, भोजपुर एवं सारण जिला के दियारा क्षेत्र बाढ़ से अधिक प्रभावित हैं। बाढ़ से प्रभावित सभी जिलों में राहत एवं बचाव कार्य किया जा रहा है। प्रभावित लोगों को दियारा क्षेत्र से सुरक्षित निकालकर राहत कैम्पों में लाया जा रहा है, जहाँ उनके लिए पका हुआ भोजन, पीने का पानी, महिला एवं पुरूषों के लिए अलग–अलग शोचालय, स्वास्थ्य जाँच, जरूरी दवाएँ, साफ–सफाई एवं प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था की जा रही है।

- आबादी निष्क्रमण– अब तक लगभग 139330 लोगों को बाढ़ग्रस्त स्थान से बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर लाया गया है।
- राहत शिविर – अबतक 162 राहत शिविरों का संचालन किया जा रहा है, जिसमें लगभग 105000 लोगों को रखा गया है।
- नावों का परिचालन – 1537 नावों का संचालन किया जा रहा है।
  निदेश दिया गया है कि जिन नावों का परिचालन सरकार द्वारा कराया जा रहा है उन पर लाल झंडा टंगा रहे। साथ ही उन पर नाव की लदान क्षमता के साथ–साथ यह भी अंकित रहे कि नाव का परिचालन निःशूल्क किया जा रहा है।
- चिकित्सा दल – प्रत्येक राहत शिविर में चिकित्सा दल की प्रतिनियुक्ति जरूरी दवाओं, हैलोजन टैबलेट एवं अन्य चिकित्सा सामग्रियों के साथ की गई है।
- पशुओं के लिए पशु दवा एवं पशु चारा की व्यवस्था की जा रही है।
- सभी बाढ़ प्रभावित जिलो में एन0डी0आर0एफ0/एस0डी0आर0एफ0 की टीमें राहत एवं बचाव कार्य में लगी हुई है।
- जल संसाधन विभाग से प्राप्त सूचना के अनुसार नदियाँ, जो खतरे के निशान से उपर बह रही है, वे हैं:– गंगा–बक्सर में (DL 62.32, AL 61.11) दीघा घाट (पटना) में (DL 50.45, AL 51.80), गांधी घाट (पटना) में (DL 48.60, AL 50.28), हाथीदह, (पटना) में (DL 41.76, AL 43.17), मुंगेर में (DL 39.33, AL 39.89), भागलपुर में (DL 33.68, AL 34.50), कहलगांव (भागलपुर) में (DL 31.09, AL 32.38), सोन मनेर पटना में (DL 52.00, AL 53.40), पुनपुन श्रीपालपुर पटना में (DL 50.60, AL 52.41), घाघरा–गंगपुर सिसवन (सिवान) में (DL 57.04, AL 57.39), बुढ़ी गंडक (खगड़िया) में (DL 36.58, AL 38.38), कोसी– कुरसेला (कटिहार) में (DL 30.00, AL 31.14), शेष सभी नदियाँ खतरे के निशान से नीचे बह रही है।